BSES

बीआरपीएल के नाम पर ठगी करने वाला गिरोह पकड़ा

वसंत कुंज जैसे पॉश इलाकों में सक्रिय था गिरोह

- बीएसईएस कॉल सेंटर ने निभाई महत्वपूर्ण भूमिका
- गिरोह के मोबाइल नंबर पर कड़ी निगरानी रखने से मिली सफलता

नई दिल्लीः 9 जुलाई, 2010। पिछले कुछ हफ्तों से वसंत कुंज, साकेत, जनकपुरी और विकासपुरी जैसी पॉश कॉलोनियों में सक्रिय ठगों के एक गिरोह का भांडाफोड़ हुआ है। बीएसईएस कॉल सेंटर और विजिलेंस डिपार्टमेंट की मदद से दिल्ली पुलिस ने दो ठगों समेत, गिरोह के मास्टर माइंड राजेश शर्मा उर्फ मदन लाल शर्मा को भी दबोच लिया है। यह गिरोह उपभोक्ताओं को बेवकूफ बनाकर, बीएसईएस के नाम पर ठगी कर रहे थे।

सभी जगहों पर यह गिरोह एक ही शैली में काम कर था। सबसे पहले गिरोह यह तय करता था कि किस उपभोक्ता को शिकार बनाना है। उसके बाद, वह उस उपभोक्ता के बारे में तमाम जानकारियां जुटा लेता था– जैसे उसका पूरा नाम, पता, फोन नंबर और सीआरएन नंबर, आदि। फिर, इस गिरोह का कोई सदस्य, उपभोक्ता बनकर बीआरपीएल कॉल सेंटर –39999707– पर फोन कर अपनी सारी डिटेल बताता था और यह पूछता था कि उसके नाम पर बिजली का कितना बिल बकाया है। उसके बाद, यह गिरोह बीआरपीएल अधिकारी बनकर उपभोक्ता के घर पहुंचता था। चूंकि उपभोक्ता से संबंधित सारी जानकारियां इस गिरोह के पास होती थीं, इसलिए उपभोक्ता तुरंत उसके झांसे में आ जाता था।

अब गिरोह के सदस्य उपभोक्ताओं को यह कहकर डराते थे कि उनका मीटर टैंपर्ड है और उन्हें भारी जुर्माना और जेल की सजा भी होगी। तब भयभीत उपभोक्ताओं के सामने यह गिरोह "सेट्लमेंट" का नाटक रचता और कहता कि इतने हजार रूपये दे दो, तो तुम्हारे मामले को रफा–दफा कर देंगे। भारी जुर्माने और जेल की सजा के डर से आक्रांत उपभोक्ता तुरंत उतने रूपये गिरोह के समस्यों को दे देता था, और गिरोह के सदस्य वहां से चंपत हो जाते थे।

कॉल सेंटर ने दिया सुरागः वसंत कुंज के एक उपभोक्ता (उनके अनुरोध पर उनका नाम यहां नहीं दिया जा रहा) ने बीएसईएस अधिकारियों से संपर्क कर उन्हें अपने साथ हुए पूरे वाकये के बारे में बताया और फर्जी बीएसईएस अधिकारियों के मोबाइलन नंबर भी दिए। ये मोबाइल नंबर बीआरपीएल कॉल सेंटर को दिए गए और कहा गया कि इन नंबरों पर पूरी निगरानी रखी जाए। गिरोह के सदस्यों ने फिर उन्हीं मोबाइल नंबरों से फोन किया और यहीं वे फंस गए। जैसे ही इस नंबर से फोन आया, कॉल सेंटर कर्मी समझ गए कि गिरोह किसी उपभोक्ता को अगला निशाना बनाने वाला है। यह भी देखा गया कि गिरोह किसी उपभोक्ता को अपना शिकार बनाने से एक घंटा पहले, उपभोक्ता बनकर कॉल सेंटर पर फोन करता है। साथ ही, संबंधित उपभोक्ता का सीआरएन नंबर, फोन नंबर आदि बताकर, उनके बिल की डिटेल मांगता है।

इससे पहले कि गिरोह किसी और उपभोक्ता को अपनी चपेट में ले ले, बीआरपीएल बिजिलेंस टीम और दिल्ली पुलिस के अधिकारी सक्रिय हो गए और संबंधित उपभोक्ताओं के घर जाकर पहले से ही बैठ गए, ताकि गिरोह के सदस्यों को दबोचा जा सके। अपने चौथे प्रयास में बीएसईएस विजिलेंस टीम और दिल्ली पुलिस को गिरोह का भांडाफोड़ करने में सफलता मिली और गिरोह का सरगना राजेश शर्मा उर्फ मदन लाल शर्मा पकड़ा गया। पुलिस द्वारा की गई पूछताछ में उसने अपने दो साथियों के नाम भी उगल दिए और पुलिस से उन्हें भी गिरफ्तार कर लिया। इस सिलसिले में वसंत कुंज थाने में एफआईआर दर्ज कराई गई है।

उल्लेखनीय है कि दुनिया के सभी कॉल सेंटरों की तरह, बीएसईएस के कॉल सेंटर भी ट्रेनिंग व मॉनिटरिंग के लिए कॉल को रेकॉर्ड करते हैं। गिरोह के मोबाइल नंबरों से की गई कॉल्स की रेकॉर्डिंग के आधार पर ही गिरोह तक पहुंचने में बीएसईएस विजिलेंस टीम व पुलिस को कामयाबी मिली। ये रेकॉर्डिंग्स प्रमाण के तौर पर काफी कारगर हैं।

बीआरपीएल के एक अधिकारी के मुताबिक, जांच में यह पता चला है कि यह गिरोह वसंत कुंज, साकेत, जनकपुरी और विकासपुरी जैसे इलाकों में सक्रिय था।

बीएसईएस ने उपभोक्ताओं को सलाह दी है कि वे ऐसे असामाजिक तत्वों व ठगों से सावधान रहें, जो कि गुपचुप तरीके से काम कर कंपनी की छवि को नुकसान पहुंचा रहे हैं। साथ ही, कंपनी यह भी कहना चाहती है कि उपभोक्ता ऐसे तत्वों की धमकियों या झूठे आश्वासनों में न आएं और कारण चाहे जो भी हो, उन्हें कोई पैसा न दें। बिजली चोरी, जुर्माना, व्यावसायिक आदि कोई भी भुगतान सिर्फ बीएसईएस ऑफिसों में ही करें।

उपभोक्ताओं को सलाह दी जाती है कि उनके पास जो भी व्यक्ति बीएसईएस कर्मचारी के तौर पर जा रहा है, उनकी पहचान जरूर सुनिश्चित करें। उनका पहचान पत्र मांगें और निम्नलिखित बिंदुओं पर गौर करें।

सही पहचान पत्र में ये चीजें होनी चाहिए: 1. बीएसईएस लोगो, 2. बीएसईएस होलोग्राम, 3. जारी होने की तारीख, 4. वैधता (वैलिडिटी), 5. कर्मचारी की तस्वीर, 6. अधिकृत हस्ताक्षरकर्ता के हस्ताक्षर, 7. कर्मचारी के हस्ताक्षर, 8. कर्मचारी संख्या/ पहचान पत्र संख्या, 9. ठेकेदार का नाम/ लोगो/ पता, 10. लेमिनेशन

अगर आपको कोई शक हो, या कुछ गड़बड़ लगे, तो तो कृपया निकटतम बीवाईपीएल ऑफिस में संपर्क करें, या डायल करें– 39999707/ 39999808 और 100 नंबर डायल कर स्थानीय पुलिस को भी बताएं।

दिल्ली की प्रमुख बिजली वितरण कंपनियां बीआरपीएल और बीवाईपीएल अपने उपभोक्ताओं को गुणवत्तायुक्त बिजली आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध हैं।

....

अधिक जानकारी के लिए संपर्क करें: प्रशान्त दुआ
कॉरपोरेट कम्युनिकेशंस– 39999870/ 9312007822

चंद्र पी कामत
कॉरपोरेट कम्युनिकेशंस– 39999415/ 9350130304